

Sl.No. :

नामांक	Roll No.

No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 7

VU-45-Shukla Yajurved

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को छोलने के लिया जाने का इसका अंक  
प्रश्न पत्र को छोलने के लिया जाने का अंक

## वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2024

### VARISHTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2024

शुक्ल यजुर्वेद

समय : 3 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 56

परीक्षार्थीभ्यः सामान्यनिर्देशः

- 1) परीक्षार्थीभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः।
- 2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
- 3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
- 4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीयाः।
- 5) सर्वे प्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीयाः।

यहाँ से काटिए

## ਖਣਡ:-‘ਅ’

## 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्नाः -

- |       |  |                    |       |
|-------|--|--------------------|-------|
| i)    | आमुष्मिकरहस्या नामवगमयि तुमुपयोगिता विद्यते –          |                    | [1/2] |
|       | अ) अर्थस्य   | ब) कामस्य          |       |
|       | स) वेदस्य  | द) कल्पस्य         |       |
| ii)   | शुक्लकृष्णत्वेन द्वौ भेदौ वर्तते –                     |                    | [1/2] |
|       | अ) यजुर्वेदस्य   | ब) सामवेदस्य       |       |
|       | स) अथर्ववेदस्य   | द) धनुर्वेदस्य     |       |
| iii)  | “इयं दुरुक्तं परिबाधमाना ...” इति मन्त्रं प्रयुज्यते – |                    | [1/2] |
|       | अ) वासः परिधाने  | ब) मेखलाबन्धने     |       |
|       | स) दण्डधारणे   | द) अजिन धारणे      |       |
| iv)   | कन्यापितुहस्तस्थितं मधुपर्कम् ईक्षते –                 |                    | [1/2] |
|       | अ) वरः   | ब) कन्या           |       |
|       | स) ब्रह्मा   | द) माता            |       |
| v)    | सप्तमाध्याये मन्त्राः सन्ति –                          |                    | [1/2] |
|       | अ) नवतिः   | ब) अशीतिः          |       |
|       | स) दश  | द) अष्टचत्वारिंशत् |       |
| vi)   | मुखस्थानीयो वेदाङ्गो वर्तते –                          |                    | [1/2] |
|       | अ) छन्दः   | ब) व्याकरणम्       |       |
|       | स) कल्पः   | द) शिक्षा          |       |
| vii)  | ईशावास्योपनिषत् प्राप्यते –                            |                    | [1/2] |
|       | अ) अथर्व वेदे  | ब) सामवेदे         |       |
|       | स) शुक्लयजुर्वेदे                                      | द) ऋग्वेदे         |       |
| viii) | उदात्तस्वरस्य गोत्रं विधात् –                          |                    | [1/2] |
|       | अ) गार्यम्   | ब) वशिष्ठम्        |       |
|       | स) गौतमम्  | द) भारद्वाजम्      |       |

- ix) पदयोरन्तरे काले विधीयते - [1/2]

  - अ) अर्धमात्रा
  - स) द्विमात्रा
  - ब) एकमात्रा
  - द) पंचमात्रा

x) शिष्याणामुपदेशार्थे कां वृत्तिं प्रयोक्तव्या? [1/2]

  - अ) द्रुताम्
  - स) मध्यमाम्
  - ब) विलम्बिताम्
  - द) अन्याम्

xi) वैशम्पायनस्य शिष्यः आसीत् - [1/2]

  - अ) कण्वः
  - स) आपस्तम्बः
  - ब) भारद्वाजः
  - द) याज्ञवल्क्यः

xii) कुण्डलाकृतिः भवति - [1/2]

  - अ) ककारान्ते
  - स) तकारे
  - ब) टकारान्ते
  - द) पकारे

xiii) “विष्ट्रः प्रतिगृह्णताम्” इति वदति - [1/2]

  - अ) आचार्यः
  - स) वरः
  - ब) कन्यापिता
  - द) विप्रः

xiv) अष्टवर्षम् उपनयेत् - [1/2]

  - अ) ब्राह्मणम्
  - स) वैश्यम्
  - ब) क्षत्रियम्
  - द) अन्यम्

xv) माणवकः प्राप्तभिक्षां प्रथमं कस्मै निवेदयेत्? [1/2]

  - अ) पित्रे
  - स) आचार्याय
  - ब) मात्रे
  - द) भगिन्यै

xvi) जयाहोमः विधीयते - [1/2]

  - अ) उपनयने
  - स) पुंसवने
  - ब) वेदारम्भे
  - द) विवाहे

## 2) रिक्तस्थानानि पूरयत -

- i) इन्द्रस्य ..... सखा। [1/2]
- ii) सन्ते मनो ..... गच्छताम्। [1/2]
- iii) उरुष्य ..... यजस्व। [1/2]
- iv) ये ..... दिव्येकादशस्थ। [1/2]
- v) उपयाम ..... सावित्रोसि। [1/2]
- vi) ग्रहाऊर्जा ..... मतिम्। [1/2]
- vii) पदे च ..... विधीयते। [1/2]
- viii) सावित्रीं ..... समारभेत्। [1/2]
- ix) वर्षोस्मि ..... सूर्यः। [1/2]
- x) धियो ..... प्रचोदयात्। [1/2]

## 3) अति लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः -

- i) वासः परिधानस्य मन्त्रं लिखत। [1]
- ii) मधुपर्कदर्शनस्य मन्त्रं लिखत। [1]
- iii) अनियक्षरावसानो वेदः कः? [1]
- iv) अश्मारोहणमन्त्रं लिखत। [1]
- v) पंचमं स्वरं कः उच्चारयति? [1]
- vi) ब्राह्मणस्य पलाशदण्डं कियदुन्नतं भवेत्? [1]
- vii) विवाहे सिन्दूरदानस्य मन्त्रं लिखत। [1]
- viii) अर्धप्रवहणस्य मन्त्रं लिखत। [1]

लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः -

- 4) याते धामान्युशमसि० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 5) रेवतीरमध्वम० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 6) देवस्यत्त्वासवितुः० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 7) अन्तस्तेद्यावा० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 8) अच्छिन्नस्यते० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 9) अयंवेनश्चो० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 10) यजोदेवानाम० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 11) उपयामगृहीतोसि० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 12) देवसवितः प्रसुव० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 13) इन्द्रस्य वज्रोसि० इति मन्त्रं सस्वरं पूर्यत। [1½]
- 14) मात्रायां चतुराणवत्वं कथमिति प्रतिपादयत। [1½]
- 15) कीदृशाः पुरुषाः वर्णानां समुचितोच्चारणे असमर्थाः भवन्ति ? [1½]

6  
खण्डः-‘स’

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः –

- 16) हस्तसंचालने के हस्तदोषाः, दोषरहितपाठेन कस्य लोकस्य प्राप्तिः च भवति? [3]

अथवा

पदोच्चारणस्य विधिं स्पष्टयत।

- 17) मधुपर्कविधिं सविस्तरं वर्णयत। [3]

अथवा

यज्ञोपवीततन्तुदेवानां नामानि विलिख्य यज्ञोपवीतधारणस्य मन्त्रं लिखत।

- 18) वर्णाः कथं प्रयोक्तव्याः? [3]

अथवा

पाठकाधमाः कतिसंख्यकाः भवन्ति? के च ते

7  
खण्डः—‘द’

निबंधात्मकाः प्रश्नाः —

**19) निम्नांकितेषु केचन चत्वारो मन्त्राः सस्वराः पूरणीयाः — [4]**

- i) विष्णोः कर्माणि०
- ii) घृतंघृतपावानः०
- iii) आवायोभूषशुचिपा०
- iv) कदाचनप्रयुच्छस्यु०
- v) उदुत्यज्जात०
- vi) आयुर्यज्ञेनकल्पताम्०

अथवा

वेदाध्ययने शिक्षा ग्रन्थानामुपकारित्वं साध्यत।

**20) निम्नांकितेषु केचन चत्वारो मन्त्राः सस्वराः पूरणीयाः — [4]**

- i) उपावीरस्युपदेवान्०
- ii) वाचन्ते शुन्धामि०
- iii) अयं वां मित्रा वरुणा०
- iv) सुप्रजाः प्रजाः०
- v) देवागातुविदो०
- vi) अर्यमण्डृहस्पतिं०

अथवा

शुक्लयजुवेदस्य प्रादुर्भावः कथमभूत् ? वर्णयत।



**DO NOT WRITE ANYTHING HERE**